KAIVALYADHAMA®
Where Yoga tradition and Science meet
100 YEARS

प्राकृतिक चिकित्सा उपचार परिचारक अध्ययन पाठ्यक्रम

इकाई 1 घंटे (समय)

अ) योग और कैवल्यधाम परंपरा के मूल तत्व 2

ख) स्वामी कुवल्यानंद जी की जीवनी और उनकी विरासत 1

ग) प्राकृतिक चिकित्सा के मौलिक सिद्धांत 3

इकाई 2

अ) संचार कौशल 5

· सुनना
· प्रतिक्रिया
· संवेदनशील
· आदर
· आत्मविश्वास
· मित्रता
· शारीरी की भाषा
· स्पष्टता
· भावात्मक बुद्धि
· संचार विधि
· प्रस्तुति
·जवाबदेही
· समझदार चीजों के बारे में बोलना, रोगियों को उपचार का सुझाव नहीं देना
· शिष्टाचार

ख) स्टाफ को संवारना 5

· आत्मविश्वास
· ड्रेसिंग
· बाल
· स्वस्थ दांत
· स्वस्थ उंगलियों के नाखून और पैर के नाखून
· अच्छी मुद्रा बनाए रखें
· रोजाना स्नान करें
· व्यक्तिगत स्वच्छता
· पहला प्रभाव
· स्व-प्रस्तुति

ग) नैतिकता और मरीज़ों की देखभाल 3
घ) प्रतिभागियों के लिए उपचार परिचारक की जिम्मेदारियाँ 3

इकाई 3

अ)मानव शरीर की मौलिक समझ 5

· मानव शरीर रचना विज्ञान और शरीर विज्ञान की बुनियादी समझ
· जोड़ों और शरीर के विभिन्न हिस्सों की बुनियादी समझ

ख) प्राकृतिक चिकित्सा।

· हाइड्रोथेरेपी, पैक और स्नान 10
· मालिश चिकित्सा, मालिश के प्रकार और तकनीकें 10
· मिट्टी चिकित्सा, स्थानीय और सामान्य उपचार 2

· उपवास 1
· एक्यूप्रेशर और रिफ्लेक्सोलॉजी 3
· क्रोमो थेरेपी 2
· मैग्नेटो थेरेपी 1

ग) रोगी देखभाल की मूल बातें 4
· मरीजों की सहायता करना
· प्राथमिक प्राथमिक चिकित्सा

·व्हील चेयर पर मरीज़

प्रैक्टिकल - 40 घंटे।

कुल अवधि- 100 घंटे.

व्यावहारिक:

1.मालिश: 25
2. मामला प्रस्तुति :25
3. सैद्धांतिक कक्षाएं न होने पर प्राकृतिक चिकित्सा या निर्दिष्ट विभाग में दैनिक ड्यूटी
4. व्यावहारिक पोस्टिंग फिजिशियन, प्राकृतिक चिकित्सा विभाग, एक्यूपंक्चर, फिजियोथेरेपी के साथ होगी।
5. हाइड्रोथेरेपी विभाग-50 से केस प्रस्तुति
6. मड थेरेपी विभाग से केस प्रस्तुति। -50

नियम और विनियम:

1. कैवल्यधाम कॉलेज के सभी नियम एवं कानून
2. थ्योरी और प्रैक्टिकल में अनिवार्य उपस्थिति
3.सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए छह महीने का कोर्स पूरा करने के बाद मूल संस्थान में इंटर्नशिप अनिवार्य है।
4. संस्थान उन सभी प्रतिभागियों को पहले छह महीने की नौकरी प्रदान करेगा, जिन्होंने कैवल्यधाम मातृ संस्थान या कैवल्यधाम की किसी भी शाखा में पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है।
5. प्रत्येक बैच के लिए न्यूनतम प्रवेश 10 छात्र होंगे। यह पुरुष एवं महिला परिचारक की संयुक्त संख्या होगी।

व्याख्यान और व्यावहारिक:

1 जीवन विज्ञान: शरीर रचना विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, (डॉ. संतोष पांडे)

2. प्राकृतिक उपचार का दर्शन: (डॉ. अमित)

3. उपवास और पोषण (डॉ रितु)

4. हाइड्रोथेरेपी : (डॉ. संतोष पांडे और डॉ. अमित)

5. मालिश : (डॉ. संतोष पांडे)

6. मड थेरेपी: (डॉ.अमित)

7. एक्यूपंक्चर: (डॉ.रितु)

8. सभी प्रैक्टिकल विभाग प्रमुखों (प्राकृतिक चिकित्सा) की देखरेख में आयोजित किए जाएंगे।

9. प्रैक्टिकल के सभी रिकॉर्ड बुक पर प्रतिदिन प्रैक्टिकल के बाद विभाग प्रमुख या प्राकृतिक चिकित्सक द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे

10. संस्थान के अन्य सभी नियम और कानून इस कोर्स के लिए भी लागू होंगे सोची है